एन सी ई आर टी
NCERT
National Council Of Educational Research And Training
NCERT Solutions for 4th Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 11-फुलवारी
IndCareer Schools
indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 4th Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 11-फुलवारी

Class 4: पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions. Complete Class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 Notes.

NCERT Solutions for 4th Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 11-फुलवारी

NCERT 4th पर्यावरण अध्ययन Chapter 11, class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions

(पृष्ठ संख्या **84)**

प्रश्न 1.

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-4th-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-11-phulwari/

आँखें बंद करके कल्पना करो कि तुम भी ऐसी ही किसी जगह पर पहुँच गए हो। कैसा लगा? कौन-कौन सा गाना गाने का दिल चाह रहा है? तुम उनमें से कुछ गाकर सुनाओ।

उत्तर:

मैं एक फूलों की घाटी में पहुँच गया हूँ। वहाँ बहुत सारे रंग-बिरंग के फूल खिले हैं। बहुत मजा आ रहा है। मेरा एक गीत गाने का दिल चाह रहा है-

मैं गुलाब का फूल बनूंगा

मधुर मधुर मुस्काऊँगा

पास मेरे जो तितली आये

उसको दोस्त बनाऊँगा

प्रश्न **2.**

क्या तुमने कहीं बहुत सारे फूल लगे देखे हैं? कहाँ?

उत्तर:

हाँ, मैंने बहुत सारे फूल लगे देखे हैं। अपने स्कूल के बगीचे में।

प्रश्न **3.**

तुमने कितने रंगों के फूल देखे हैं? उनके रंगों के नाम लिखो।

उत्तर:

मैंने बहुत सारे रंगों के फूल देखे हैं।

लाल, गुलाबी, नीला, सफेद।

प्रश्न **4.**

किस-किस रंग के फूल देखे हैं? गिनती ही करते रह गए न?

उत्तर:

हाँ, बहुत सारे रंगों के फूल देखे हैं। सही में उन्हें गिनना बहुत मुश्किल है।

प्रश्न **5.**

क्या तुम्हारे घर में कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनपर फूलों के डिजाइन बने हों, जैसे-कपड़े, चादर, फूलदान आदि?

उत्तर:

हाँ, मेरे घर में ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिनपर फूलों के डिजाईन बने हैं। जैसे कि चादर, तकिये, पर्दे, आदि।

प्रश्न **6.**

नीचे एक खाने में एक सुंदर-सा डिजाइन बना है। अपने-आप कोई डिजाइन बनाकर रंग भरो।

उत्तर:

प्रश्न **7.**

अपने दोस्तों के बनाये डिज़ाइन भी देखो।

उत्तर:

मेरे एक दोस्त द्वारा बनाया गया डिजाइन नीचे है

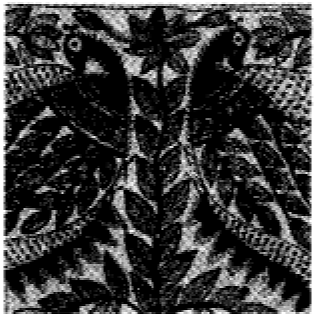

(पृष्ठ संख्या 86)

फूलों की दुनिया

प्रश्न 8.

तुम नीचे दिए गए फूलों में से जिनको पहचानते हो, उन पर "सही" (✓) का निशान लगाओ। अगर पता हो, तो उनके नाम चित्रों के नीचे लिखो।

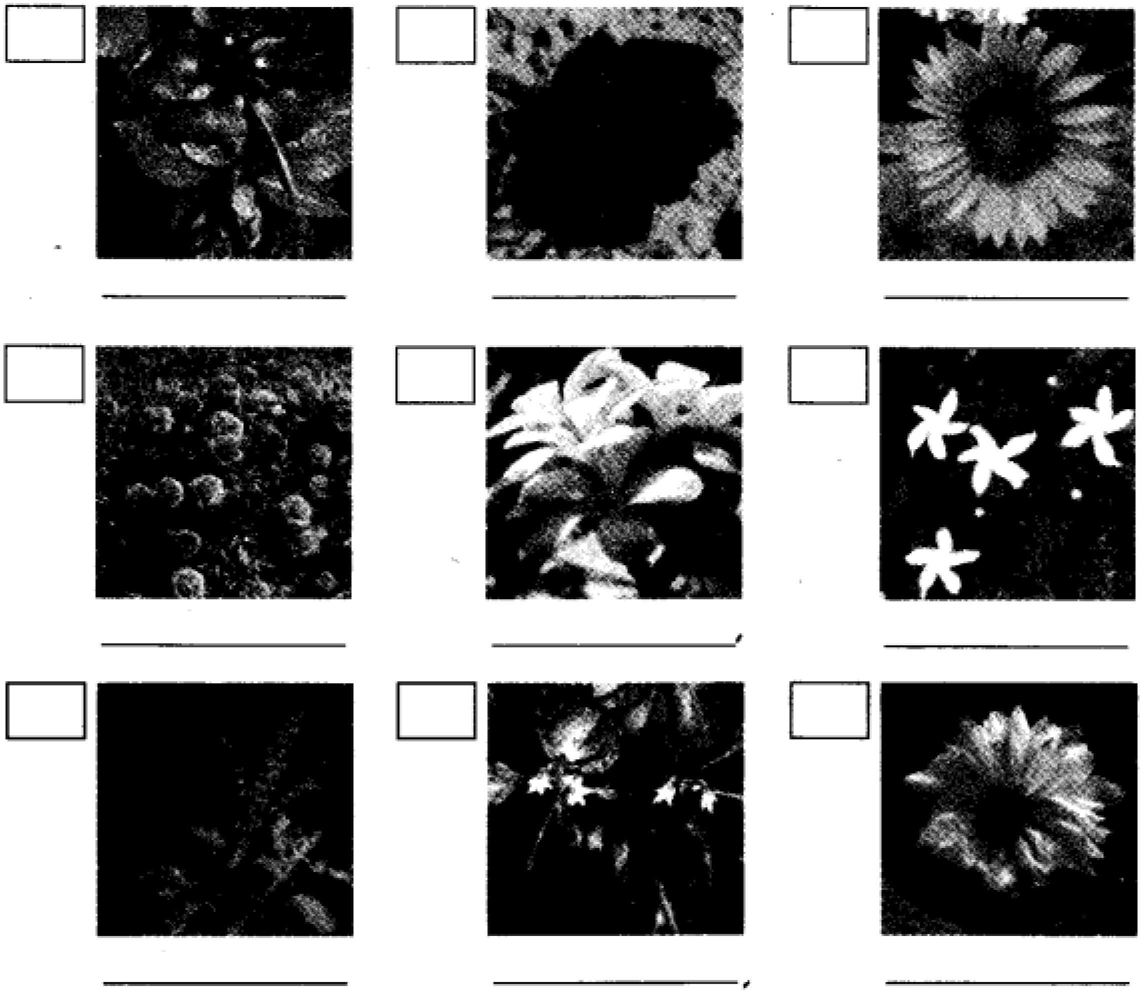

उत्तर:

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-4th-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-11-phulwari/

प्रश्न 9.

ऊपर दिए गए फूलों में से और जिन फूलों को तुम जानते हो, उनमें से दो फूलों के नाम बताओ जो-

- पेड़ों पर लगते हैं।
- झाड़ियों पर लगते हैं।
- बेल पर लगते हैं।
- पानी के पौधों पर उगते हैं।
- सिर्फ रात में खिलते हैं।
- दिन में खिलते हैं, रात में बंद हो जाते हैं।
- जिनको तुम आँखें बंद करके भी खुशबू से पहचान सकते हो
- जो किसी खास महीने में ही लगते हैं।
- जो साल भर खिलते हैं।

उत्तर:

- पेड़ों पर लगते हैं। – गुलमोहर, कदम
- झाड़ियों पर लगते हैं। – गुलाब, बेला
- बेल पर लगते हैं। – चम्पा, रातरानी
- पानी के पौधे पर उगते हैं। – कमल, कुमुदनी
- सिर्फ रात में खिलते हैं। – रातरानी, हरसिंगार
- दिन में खिलते हैं, रात में बंद हो जाते हैं। – कमल, सूरजमुखी
- जिनको तुम आँखें बंद करके भी खुशबू से पहचान सकते हो। – गुलाब, बेला
- जो किसी खास महीने में ही लगते हैं। – गेंदा, डालिया
- जो साल भर खिलते हैं – गुलाब, उड़हल

प्रश्न 10.

क्या ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जिन पर फूल कभी नहीं आते। पता करके लिखो।

उत्तर:

मनीप्लान्ट पर कभी भी फूल नहीं लगते।

NCERT 4th पर्यावरण अध्ययन Chapter 11, class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions

(पृष्ठ संख्या 87)

यह क्यों?

प्रश्न 1.

क्या तुमने इस तरह की तख्ती कहीं लगी देखी है?

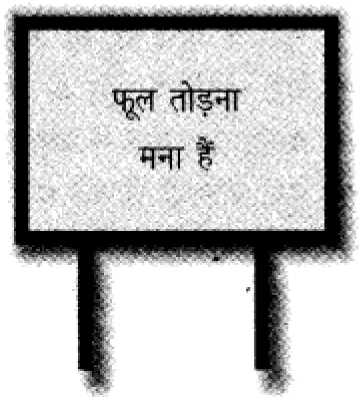

उत्तर:

हाँ, इस तरह की तख्ती बगीचे में लगी होती है।

प्रश्न 2.

क्या तख्ती लगी होने के बाद भी लोग फूल तोड़ लेते हैं?

उत्तर:

नहीं। प्रायः लोग इस तरह की तख्ती लगे होने के बाद फूल नहीं तोड़ते।

प्रश्न 3.

तुम्हें क्या लगता है, वे ऐसा क्यों करते हैं?

उत्तर:

कुछ लोग नियम तोड़ देते हैं।

प्रश्न 4.

क्या उन्हें ऐसा करना चाहिए?

उत्तर:

नहीं। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 5.

अगर सब लोग ऐसा करने लगें, तो क्या होगा?

उत्तर:

तो, कोई भी फूल नहीं बचेगा जिससे कि बगीचा सुंदर लग सके।

(पृष्ठ संख्या 88)

चलो पास से देखें

जो बच्चे फूल ला सकते हैं, वे कक्षा में एक-दो फूल लाएँ। ध्यान रहे कि पेड़-पौधों से गिरे हुए फूल ही इकड़े करने हैं। तोड़ने नहीं हैं। तीन-चार बच्चों के समूह बनाओ और किसी एक फूल को ध्यान से देखो और लिखो

प्रश्न 1.

फूल किस रंग का है?

उत्तर:

लाल रंग का।।

प्रश्न 2.

इसकी खुशबू कैसी है?

उत्तर:

इसकी खुशबू काफी अच्छी है।

प्रश्न **3.**

आकार कैसा है**?** घंटी जैसा, कटोरी जैसा, बुश जैसा या कुछ और**?**

उत्तर:

कटोरी जैसा।

प्रश्न **4.**

क्या ये फूल गुच्छे में हैं**?**

उत्तर:

नहीं, ये फूल गुच्छे में नहीं हैं।

प्रश्न **5.**

इसकी पंखुड़ियाँ कितनी हैं**?**

उत्तर:

लगभग 50 पँखुड़ियाँ।

प्रश्न **6.**

पंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग-अलग हैं**?**

उत्तर:

पँखुड़ियाँ अलग-अलग हैं।

प्रश्न **7.**

पंखुड़ियों के बाहर क्या तुम्हें हरी पत्ती जैसा कुछ नजर आ रहा है**?** ये कितने हैं**?**

उत्तर:

हाँ, पँखुड़ियों के बाहर हरी पत्ती जैसा नजर आ रहा है। इनकी संख्या 4 हैं।

प्रश्न 8.

पँखुड़ियों के अंदर, बीच में क्या कुछ पतली सी चीजें दिखाई दे रही हैं? ये किस रंग की हैं?

उत्तर:

हाँ। यह हल्के लाल रंग की है।

प्रश्न 9.

उनको छूने से क्या कुछ पाउडर जैसा हाथ में लग रहा है?

उत्तर:

हाँ। उनको छूने से पाउडर जैसा हाथ में लग जाता है।

NCERT 4th पर्यावरण अध्ययन Chapter 11, class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions

(पृष्ठ संख्या 89)

खिलती कलियाँ

प्रश्न 1.

तुमने कलियाँ भी देखी होंगी। अगर स्कूल में या घर के आस-पास कहीं फूल के पौधे हों, तो उनकी कलियाँ भी देखो।

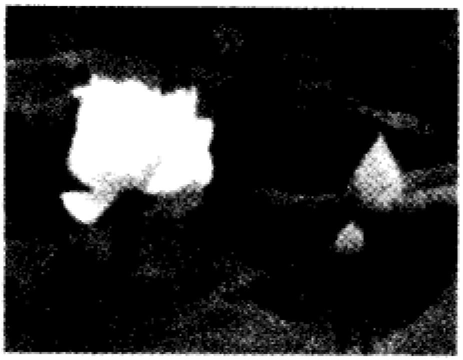

उत्तर:

मैंने बगीचे में फूल के साथ-साथ कलियों को भी देखा।

प्रश्न 2.

कली और फूल में क्या-क्या अंतर है?

उत्तर:

फुल कलियों से बड़े थे। कलियाँ नुकीले आकार की तथा हरे पत्तों से ढकी थी। फूल बड़े आकार का तथा फैला हुआ था।

प्रश्न 3.

किसी पौधे की कली एवं उसके फूल का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ।

उत्तर:

प्रश्न 4.

क्या तुम बता सकते हो कि एक कली कितने दिनों में खिलकर फूल बनती होगी?

उत्तर:

चार या पाँच दिनों में।

चलो जानने की कोशिश करें।

प्रश्न 5.

किसी एक पौधे पर लगी कली चुनो और उसे रोज देखो। उस पौधे का नाम भी लिखो।

उत्तर:

गुलाब का पौधा।

प्रश्न 6.

जब तुमने कली देखी, तो तारीख ……………. थी और वह कली जब फूल बनी तो तारीख थी ……………। कली को फूल बनने में कितने दिन लगे?

उत्तर:

जब मैंने कली देखी थी तो वह तारीख 1 फरवरी थी और वह कली जब फूल बनी तो तारीख थी 5 फरवरी। कली को फूल बनने में 4 दिन लगे।

प्रश्न 7.

अपने दोस्तों से पूछो, उन्होंने कौन-कौन से फूल देखे? उनकी कलियों को फूल बनने में कितना समय लगा?

उत्तर:

उन लोगों ने उड़हुल तथा गेंदा के फूल देखे। उनकी कलियों को फूल बनने में 4 से 5 दिन का समय लगा।

प्रश्न 8.

तुम यह भी देख सकते हो कि वह फूल कितने दिनों में मुरझाया?

उत्तर:

फूल को मुरझाने में लगभग 15 से 20 दिन लगे।

NCERT 4th पर्यावरण अध्ययन Chapter 11, class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions

(पृष्ठ संख्या 90)

इतने सारे इस्तेमाल

खाए भी जाते हैं फूल

प्रश्न 1.

तुमने फूलों का कहाँ-कहाँ इस्तेमाल देखा है?

उत्तर:

मैंने फूलों का इस्तेमाल माला बनाने, गुलदस्ता बनाने तथा भगवान को चढ़ाने में देखा है।

प्रश्न 2.

क्या तुम जानते हो फूल खाए भी जाते हैं? बहुत से फूलों की सब्जी बनती है।

उत्तर:

हाँ, मै जानता हूँ कि कुछ फूल खाए भी जाते हैं तथा कुछ फूलों की सब्जी भी बनती है।

प्रश्न 3.

क्या तुम्हारे घर में भी किसी फूल की सूखी सब्जी, सालन (तरीदार) सब्जी या चटनी बनाई जाती है?

उत्तर:

हाँ। मेरे घर में फूलों की सब्जी बनाई जाती है।

प्रश्न 4.

पता करो, कौन-से फूल की?

उत्तर:

कचनार, केले के फूल, सहजन के फूल आदि।

दवाई में भी!

प्रश्न 1.

किन्हीं दो फूलों के नाम पता करो, जो दवाइयों में इस्तेमाल होते हैं?

उत्तर:

गुलाब, उड़हुल ।।

प्रश्न 2.

तुम्हारे यहाँ गुलाब जल कहाँ-कहाँ इस्तेमाल होता है? दवाई में, मिठाइयों में, लस्सी में या कहीं और? पता करो और कक्षा में एक-दूसरे को बताओ।

उत्तर:

मेरे यहाँ दवाई में, मिठाईयों में, लस्सी में और कुछ पकवानों को सुंगंधित बनाने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल होता है।

(पृष्ठ संख्या **91**)

खुशबू और रंग।

प्रश्न **1.**

तुम ऐसे और फूलों के नाम पता करो, जिनसे रंग बनता है।

उत्तर:

हरसिंगार तथा चाइना रोज से रंग बनाये जाते है।

प्रश्न **2.**

क्या तुम ऐसा कोई रंग सोच सकते हो, जिस रंग का कोई फूल ही न होता हो**?**

उत्तर:

नहीं। मैं ऐसा कोई रंग नहीं सोच सकता हूँ जिस रंग का कोई फूल नहीं होता हो।

प्रश्न **3.**

ऐसे कुछ फूलों के नाम लिखो, जिनसे तुम्हें लगता है इत्र बनाया जाता होगा।

उत्तर:

गुलाब, बेला, जसमिन आदि फूलों से इत्र बनाया जाता है।

(पृष्ठ संख्या **92**)

और कहाँ-कहाँ इस्तेमाल

प्रश्न **1.**

क्या तुमने कभी फूलों पर कोई गीत पढ़ा या सुना है**?**

उत्तर:

हाँ, मैने फूलों पर कई गीत पढ़ा एवं सुना है।

प्रश्न **2.**

इस गीत को गाओ।

“अच्छी मालन, मेरे बन्ने का बना ला सेहरा,

बागे जन्नत गई मालन मेरी फूलों के लिए,

फूल न मिलें तो कलियों का बना ला सेहरा ।”

उत्तर:

स्वयं करो।

बताओ

प्रश्न **1.**

क्या तुम बता सकते हो कि ऊपर दिया गया गीत कब गाया जाता होगा**?**

उत्तर:

इस तरह के गीत शादी के अवसर पर गाये जाते हैं।

प्रश्न **2.**

क्या तुम्हें या घर में किसी और को ऐसे गीत आते हैं**?**

उत्तर:

मेरे घर में मेरी बहन, माँ एवं दादी को ऐसे गीत आते हैं। मुझे भी ऐसे गीत आते है।

प्रश्न **3.**

फूलों के बारे में गीत, कविता आदि इकट्ठी करो। उनको कागज पर लिखकर कक्षा में लगाओ।

उत्तर:

स्वयं करो।

प्रश्न **4.**

कुछ अवसरों पर क्या तुम्हारे घर के बड़े कोई खास फूल इस्तेमाल करते हैं? पता करो और तालिका में लिखो।

अवसर	खास फूल का नाम

उत्तर:

अवसर	खास फूल का नाम
फ्रेंडशिप डे	लाल गुलाब
जन्मदिन	लाल गुलाब
शादी की वर्षगांठ	फूलों का गुलदस्ता
वैलेंटाइन डे	लाल गुलाब
धार्मिक कार्य	गेंदे का फूल

(पृष्ठ संख्या 93)

कुछ और जानें

प्रश्न 1.

क्या तुमने कहीं पर किसी को फूल बेचते देखा है?

उत्तर:

हाँ, मैंने लोगों को फूल बेचते देखा है।

प्रश्न 2.

यदि तुम्हारे आस-पास कहीं कुछ लोग फूल बेचते हैं, तो उनसे ये सवाल पूछो और लिखो

वे कौन-कौन से फूल बेचते हैं? उनमें से तीन फूलों के नाम पूछकर लिखो।

उत्तर:

गुलाब, गेंदा, बेला।

प्रश्न 3.

वे ये फूल कहाँ से लाते हैं?

उत्तर:

वे ये फूल बगीचे तथा मंडी से लाते हैं।

प्रश्न 4.

लोग किस-किस काम के लिए फूल खरीदते हैं?

उत्तर:

लोग पूजा, सजावट तथा तोहफा देने के लिए फूल खरीदते हैं।

प्रश्न 5.

वे फूल किस-किस तरह से बेचते हैं? नीचे उन पर निशान लगाओ।

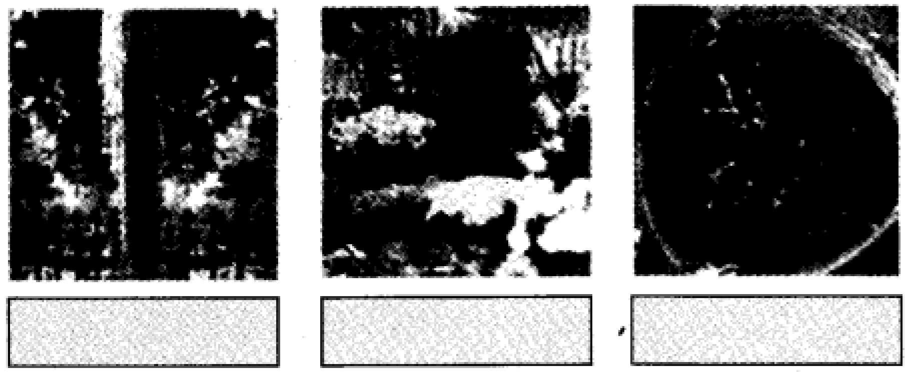

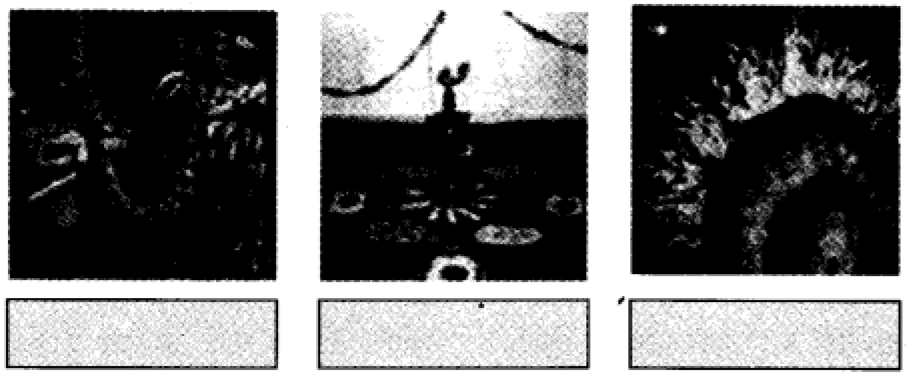

उत्तर:

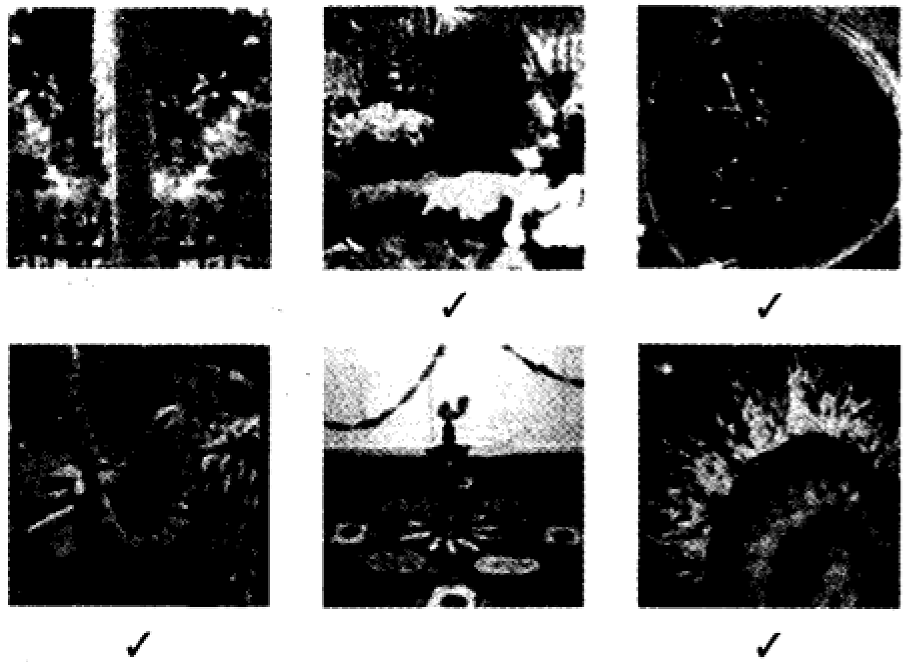

प्रश्न .

और किस तरह से?

उत्तर:

फूल वाले फूलों को गजरा बना कर भी बेचते हैं।

प्रश्न 7.

अलग-अलग रूपों में फूलों के दाम पता करो और लिखो।

एक माला

उत्तर:

50 रुपये।

एक लड़ी

उत्तर:

20 रुपये।

एक फूल

उत्तर:

5 रुपये।

प्रश्न 8.

क्या इन फूल बेचने वालों ने गुलदस्ता या फूलों की चादर बनाना किसी से सीखा है? किससे?

उत्तर:

हाँ, उन्होंने इसे अपने घर के बुजुर्गों से सीखा है।

प्रश्न 9.

क्या वे चाहेंगे कि उनके परिवार के और लोग यह काम करें? क्यों?

उत्तर:

हाँ, ज्यादातर फूल बेचने वाले चाहते हैं कि उनके परिवार के और लोग भी यह काम करें। क्योंकि इसमें काफी फायदा है और वे इसके बारे में बेहतर जान सकते हैं।

NCERT 4th पर्यावरण अध्ययन Chapter 11, class 4 पर्यावरण अध्ययन Chapter 11 solutions

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-4th-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-11-phulwari/

Chapterwise NCERT Solutions for Class 4 Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन) :

- Chapter 1-चलो ,चलें स्कूल!
- Chapter 2- कान-कान म
- Chapter 3-नन्द्‌ हाथी
- Chapter 4 अमृता की कहानी
- Chapter 5-अनीता की मधुमक्खियाँ
- Chapter 6-ओमना का सफ़र
- Chapter 7-खिड़की स
- Chapter 8-नानी के घर तक
- Chapter 9-बदलते परिवार
- Chapter 10-हु तू तू ,हु तू तू
- Chapter 11-फुलवारी
- Chapter 12-कैसे -कैसे बदले घर
- Chapter 13-पहाडों से समुंदर तक
- Chapter 14-बसवा का खेत
- Chapter 15-मंडी से घर तक
- Chapter 16-चूँ -चूँ करती आई चिड़िया
- Chapter 17-नंदिता मुंबई म
- Chapter 18-पानी कहीं ज्यादा ,कहीं कम
- Chapter 19-जड़ों का जाल
- Chapter 20-मिलकर खाए
- Chapter 21-खाना-खिलाना
- Chapter 22-दुनिया मेरे घर में
- Chapter 23-पोचमपल्ली
- Chapter 24-दूर देश की बात
- Chapter 25-चटपटी पहेलियाँ
- Chapter 26-फ़ौजी वहीदा
- Chapter 27-कोशिश हुई कामयाब

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.